CS(M) ... M20...

Serial No. [ ]

F–DTN–M–IJTA

HISTORY

Paper—I

Time Allowed : Three Hours | *Maximum Marks : 300*

INSTRUCTIONS

Each question is printed both in **Hindi** *and in* **English**.

Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.

Candidates should attempt Question Nos. ***1*** *and* ***5*** *which are compulsory, and any* ***three*** *of the remaining questions selecting at least* ***one*** *question from each Section.*

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Answers should be precise and to-the-point. An outline map is attached to this question paper which is to be used for attempting Question No. ***1****. This map may be detached carefully from the question paper and attached securely to the answer book by the candidate.*

Important : Whenever a Question is being attempted, all its parts/sub-parts must be attempted contiguously. This means that before moving on to the next Question to be attempted, candidates must finish attempting all parts/sub-parts of the previous Question attempted. This is to be strictly followed.

Pages left blank in the answer-book are to be clearly struck out in ink. Any answers that follow pages left blank may not be given credit.

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है ।

SECTION—A

1. Identify the following places marked on the map supplied to you and write short notes of about **40** words on each of them in your answer book. Locational hints for each of the places marked on the map are given below seriatim : $3 \times 20 = 60$

   (i) A prehistoric site

   (ii) A chalcolithic site

   (iii) A religious centre

   (iv) A prehistoric site

   (v) An art centre

   (vi) A prehistoric site

   (vii) An art centre

   (viii) A port

   (ix) A capital town

   (x) A prehistoric site

   (xi) A post Mauryan town

   (xii) An art centre

   (xiii) A prehistoric site

   (xiv) A chalcolithic site

   (xv) A chalcolithic site

   (xvi) A chalcolithic site

   (xvii) A prehistoric site

   (xviii) An art centre

   (xix) A chalcolithic site

   (xx) A chalcolithic site

(Contd.)

खंड—'क'

1. आपको दिए गए मानचित्र पर अंकित निम्नलिखित स्थानों की पहचान कीजिए और अपनी उत्तर पुस्तिका में उनमें से प्रत्येक पर लगभग **40** शब्दों में टिप्पणियां लिखिए। मानचित्र पर अंकित प्रत्येक स्थान के लिए स्थाननिर्धारण संकेत क्रमानुसार नीचे दिए गए हैं : 3×20=60

(i) एक प्रागैतिहासिक स्थल

(ii) एक ताम्रपाषाणयुगीन स्थल

(iii) एक धार्मिक केंद्र

(iv) एक प्रागैतिहासिक स्थल

(v) एक कला केंद्र

(vi) एक प्रागैतिहासिक स्थल

(vii) एक कला केंद्र

(viii) एक पत्तन

(ix) एक राजधानी नगर

(x) एक प्रागैतिहासिक स्थल

(xi) एक उत्तर मौर्य नगर

(xii) एक कला केंद्र

(xiii) एक प्रागैतिहासिक स्थल

(xiv) एक ताम्रपाषाणयुगीन स्थल

(xv) एक ताम्रपाषाणयुगीन स्थल

(xvi) एक ताम्रपाषाणयुगीन स्थल

(xvii) एक प्रागैतिहासिक स्थल

(xviii) एक कला केंद्र

(xix) एक ताम्रपाषाणयुगीन स्थल

(xx) एक ताम्रपाषाणयुगीन स्थल

(Contd.)

2. (a) Evaluate the significance of seals and sealings in the reconstruction of socio-economic and religious life of the Harappan people. 30

   (b) Justify Pliny's statement that Rome was being drained out of its gold by India during the first century of the Christian era. 30

3. (a) Discuss the extent, settlement pattern and subsistence economy of the megalithic cultures. 30

   (b) Assess the educational system in early India and identify important educational institutions of the period. 30

4. (a) Examine the role of *adhyakṣa* in the Mauryan administration. 30

   (b) Analyse the vibrant cultural activities in peninsular India during 550-750 CE. Compare and contrast it with the situation in contemporary North India. 30

SECTION—B

5. Write short notes in not more than **150** words on each of the following : 12×5=60

   (a) Evaluate *Rajtarangini* as a source of history.

   (b) Medieval Indian towns were merely an extension of villages. Comment.

   (c) Assess the contribution of the *Acharyas* in the development of the ideological basis of *bhakti*.

2. (क) हड़प्पन लोगों के सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक जीवन की पुनर्रचना में मुद्राओं एवं मुद्रांकन के महत्व का मूल्यांकन कीजिए। 30

(ख) प्लीनी के इस कथन का औचित्य निर्धारित कीजिए कि, 'रोम के स्वर्ण का भारत द्वारा बहिर्गमन ईसा की प्रथम शताब्दी में किया जा रहा था।' 30

3. (क) महापाषाण संस्कृतियों के प्रसार, आवासीय प्रतिरूप एवं जीवन-यापन की विवेचना कीजिए। 30

(ख) प्रारम्भिक भारत में शिक्षण-व्यवस्था का मूल्यांकन कीजिए तथा, इस युग के महत्वपूर्ण शिक्षण संस्थाओं को इंगित कीजिए। 30

4. (क) मौर्य प्रशासन में *अध्यक्ष* की भूमिका का परीक्षण कीजिए। 30

(ख) प्राय:द्वीपीय भारत में 550-750 ईसवी के मध्य सक्रिय सांस्कृतिक गतिविधियों की व्याख्या कीजिए। समकालीन उत्तर भारत से उसकी तुलना एवं भेद कीजिए। 30

खंड—'ख'

5. निम्नलिखित पर लगभग **150** शब्दों में (प्रत्येक) संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए : 12×5=60

(क) एक ऐतिहासिक स्रोत के रूप में *राजतरंगिणी* का मूल्यांकन कीजिए।

(ख) मध्यकालीन शहर गांवों का विस्तार मात्र थे। टिप्पणी कीजिए।

(ग) *भक्ति* के वैचारिक आधार के विकास में *आचार्यों* के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

(d) Discuss the *Caurapancashika* and Jain styles of paintings. Can the *Caurapancashika* style truly be called the precursor of *pothi* format ?

(e) Give social background to the rise of the Maratha movement during the seventeenth century.

6. (a) What kind of changes were visualised by historians on Indian feudalism ? Examine critically. 30

(b) Analyse the racial composition and the role of nobility under the successors of Iltutmish. How did it affect the contemporary politics ? 30

7. (a) Evaluate the role of *nadu* and *nagaram* in the growth of urbanisation under the Cholas. 30

(b) How did the Mongol invasions affect the Delhi Sultanate and the north-western frontier policy of the Delhi Sultans ? 30

8. (a) State the structure of medieval village society in Northern India. What were the passive forms of resistance of the peasants in the medieval period ? 30

(b) How was the Afghan nobility responsible for the decline of the Afghan empires ? Discuss. 30

(घ) चित्रकला की *चौरपंचशिका* एवं जैन शैलियों की विवेचना कीजिए। क्या *चौरपंचशिका* शैली को *पोथी* प्रारूप का पूर्ववर्ती माना जा सकता है ?

(ङ) सत्रहवीं शताब्दी में मराठा आन्दोलन के उदय की सामाजिक पृष्ठभूमि का वर्णन कीजिए।

6. (क) भारतीय सामंतवाद पर इतिहासकारों द्वारा किन परिवर्तनों की परिकल्पना की गई है ? आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 30

(ख) इल्तुतमिश के उत्तराधिकारियों के अधीन कुलीन वर्ग की नस्लीय संरचना एवं उनकी भूमिका की व्याख्या कीजिए। उसने समकालीन राजनीति को किस प्रकार प्रभावित किया ? 30

7. (क) चोल शासकों के काल में शहरीकरण के विकास में, *नाडु* एवं *नगरम्* की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए। 30

(ख) मंगोल आक्रमणों ने किस प्रकार से दिल्ली सल्तनत एवं दिल्ली सुल्तानों की उत्तर-पश्चिम सीमान्त नीति को प्रभावित किया ? 30

8. (क) उत्तर भारत के मध्यकालीन ग्राम्य समाज की संरचना का वर्णन कीजिए। मध्य काल में कृषकों द्वारा अपनाए गए प्रतिरोध के निष्क्रिय (passive resistance) तरीके क्या थे ? 30

(ख) किस प्रकार अफगान कुलीन वर्ग अफगान साम्राज्य के पतन के लिए उत्तरदायी था ? 30

Serial No. | F–DTN–M–IJTA

इतिहास

प्रश्न-पत्र—I

समय : तीन घण्टे | पूर्णांक : 300

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न ***हिन्दी*** *और* ***अंग्रेजी*** *दोनों में छपा है।*

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तक के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या ***1*** *और* ***5*** *अनिवार्य हैं। बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम* ***एक*** *प्रश्न चुनकर किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न के लिए नियत अंक प्रश्न के अन्त में दिए गए हैं।

उत्तर संक्षिप्त और सटीक होने चाहिए।

एक रूपरेखा मानचित्र इस प्रश्न-पत्र के साथ प्रश्न संख्या ***1*** *के उत्तर के लिए संलग्न है। यह नक्शा सावधानीपूर्वक प्रश्न-पत्र से अलग कर लें और अभ्यर्थी इसे सावधानीपूर्वक उत्तर पुस्तिका से बाँध दें।*

यह आवश्यक है कि जब भी किसी प्रश्न का उत्तर दे रहे हों, तब उस प्रश्न के सभी भागों/उप-भागों के उत्तर साथ-साथ दें। इसका अर्थ यह है कि अगले प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आगे बढ़ने से पूर्व पिछले प्रश्न के सभी भागों/उप-भागों के उत्तर समाप्त हो जाएं। इस बात का कड़ाई से अनुसरण कीजिए।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े हुए पृष्ठों को स्याही से स्पष्ट रूप से काट दें। खाली छूटे हुए प्रश्नों के बाद लिखे हुए उत्तरों के अंक न दिए जाएं, ऐसा हो सकता है।

Note : *English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.*

CS(M) EXAM2012

Sl. No.

F-DTN-M-LJTB

HISTORY

Paper II

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Each question is printed both in Hindi and in English.

Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.

Candidates should attempt Question Nos. 1 and 5 which are compulsory, and any ***three*** *of the remaining questions selecting at least* ***one*** *question from each Section.*

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Important : Whenever a Question is being attempted, all its parts/sub-parts must be attempted contiguously. This means that before moving on to the next Question to be attempted, candidates must finish attempting all parts/sub-parts of the previous Question attempted. This is to be strictly followed.

Pages left blank in the answer-book are to be clearly struck out in ink. Any answers that follow pages left blank may not be given credit.

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है।

Section 'A'

(Modern India)

1. Critically examine the following statements in about 150 words each : 12×5=60

(a) "The current practice of categorization of 'Early Modern India' is based on a shift from the old imperialist periodization of 'Muslim India' — 'British India' to the more secularist one of 'Medieval India' — 'Modern India', which puts Indian history in a universalist chronological structure."

(b) "Compared to their English counterpart, the French East India Company enjoyed little discretionary power and had to always look up to Paris for all major decisions. This partly explains the failure of the French in India."

(c) "The peasant movements of the second half of the nineteenth century lacked a positive conception of an alternative society — a conception which would unite the people in a common struggle on a wide regional and all-India plane and help develop long-term political developments."

(d) "Plantations and mines, jute mills, banking, insurance, shipping and export-import concerns in India were run through a system of interlocking managing agencies."

खंड 'क'

(आधुनिक भारत)

1. निम्नलिखित कथनों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए, प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में : 12×5=60

(क) " 'प्रारंभिक आधुनिक भारत' के संवर्गीकरण की वर्तमान प्रथा, 'मुस्लिम इंडिया' — 'ब्रिटिश इंडिया' के पुराने साम्राज्यवादी अवधिकरण से हट कर 'मध्यकालीन भारत' — 'आधुनिक भारत' के अपेक्षाकृत अधिक धर्मनिरपेक्षवादी अवधिकरण पर आधारित है, जो भारत के इतिहास को विश्ववादी कालानुक्रमिक संरचना में स्थापित कर देता है।"

(ख) "अपने अंग्रेज़ प्रतिस्थानी की तुलना में, फ्रेंच ईस्ट इंडिया कंपनी को न के बराबर स्वेच्छानिर्णय अधिकार प्राप्त था और उसको सभी बड़े निर्णयों के लिए सदैव पेरिस पर आश्रित होना पड़ता था। यह बात अंशतः भारत में फ्रांसीसियों की विफलता को स्पष्ट करती है।"

(ग) "उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध का कृषक आंदोलनों में वैकल्पिक समाज की सकारात्मक संकल्पना का अभाव था — वह संकल्पना जो लोगों को व्यापक प्रादेशिक और अखिल भारतीय स्तर पर एकजुट कर देती और दीर्घकालीन राजनीतिक उन्नतियों के विकास में मदद करती।"

(घ) "भारत में बागान और खानें, पटसन मिलें, बैंकिंग, बीमा, नौपरिवहन और निर्यात-आयात प्रतिष्ठान अंतर्ग्रथित प्रबंधन एजेंसियों के एक तंत्र के माध्यम से चलाए जा रहे थे।"

(c) "Nehru's policy of Non-Alignment came to symbolize the struggle of India and other newly independent nations to retain and strengthen their independence from colonialism."

2. (a) "The forces of free trade and the British determination to create a political and administrative environment conducive to trade and investment had shaped the British policy towards India in the first half of the nineteenth century." — Elucidate. 30

(b) "The contact of the new Indian middle class with the West proved to be a catalyst. The social and religious movements launched by Rammohan or Iswar Chandra Vidyasagar have to be understood in this context." — Elaborate. 30

3. (a) "The railways, instead of serving as the catalyst of an industrial revolution as in Western Europe and the USA, acted in India as 'the catalyst of complete colonization'." — Examine. 30

(b) "The Santhal hool began in July 1855. The core of the movement was economic, the basic cause of the uprising was agrarian discontent." — Elucidate. 30

(ङ) "नेहरू की गुटनिरपेक्षता की नीति, उपनिवेशवाद से अपनी स्वतंत्रता को बनाए रखने और मज़बूत करने के भारत के और हाल में स्वतंत्र हुए अन्य राष्ट्रों के संघर्ष का एक प्रतीक समझी जाने लगी थी।"

2. (क) "मुक्त व्यापार के बलों ने और व्यापार एवं निवेश के सहायक राजनीतिक एवं प्रशासनिक परिवेश का निर्माण करने के अंग्रेज़ो के निश्चय ने, उन्नीसवीं शताब्दी के पूर्वार्ध में भारत के प्रति ब्रिटिश नीति को रूप प्रदान किया था।" सविस्तार स्पष्ट कीजिए। 30

(ख) "नव भारतीय मध्य वर्ग का पश्चिम के साथ संपर्क एक उत्प्रेरक साबित हुआ। राममोहन या ईश्वर चंद्र विद्यासागर द्वारा प्रवर्त्तित सामाजिक एवं धार्मिक आंदोलनों को इसी संदर्भ में समझना आवश्यक है।" विस्तार से स्पष्ट कीजिए। 30

3. (क) "रेलवे ने जिस प्रकार कि पश्चिमी यूरोप और यू. ऐस. ए. में एक औद्योगिक क्रांति के उत्प्रेरक के रूप में कार्य किया था, उसके बजाय भारत में रेलवे ने 'पूर्ण उपनिवेशीकरण के उत्प्रेरक' के रूप में कार्य किया।" — परीक्षण कीजिए। 30

(ख) "संथाल हूल की शुरुआत जुलाई 1855 में हुई। आंदोलन का मूल आर्थिक था, विद्रोह का आधारिक कारण कृषिक असंतोष था।" सविस्तार समझाइए। 30

4. (a) "Nehru favoured the policy of integrating the tribal people in Indian society, of making them an integral part of the Indian nation even while maintaining their distinct identity and culture." — Elaborate with special reference to Northeastern India. 30

(b) "The Chipko became famous as the first major environmental movement in post-colonial India and gave rise to the understanding that environmental issues are often women's issues because they suffer most from its deterioration." — Explain. 30

Section 'B'
(World History)

5. Critically examine the following statements in about 150 words each : 12×5=60

(a) "The despotic rulers of Europe were influenced by the philosophy of Enlightenment and began to follow a benevolent policy towards their subjects."

(b) "The American Revolution was essentially an economic conflict between American capitalism and British mercantilism."

(c) "The connection between the philosophers' ideas and the outbreak of the French Revolution (1789) is somewhat remote and indirect."

4. (क) "नेहरु जनजातीय लोगों की सुस्पष्ट पहचान एवं संस्कृति का अनुरक्षण करते हुए, भारतीय समाज में उनका एकीकरण करने और उनको भारतीय राष्ट्र का एक अभिन्न भाग बनाने की नीति का पक्षधर था।" उत्तर-पूर्वी भारत के विशेष उल्लेख के साथ इस बात को सविस्तार समझाइए। 30

(ख) "चिपको उत्तर-औपनिवेशिक भारत में प्रथम बृहत् पर्यावरणीय आंदोलन के रूप में प्रसिद्ध हुआ और उसने इस समझ को जन्म दिया कि पर्यावरणीय मुद्दे अकसर महिलाओं के मुद्दे होते हैं क्योंकि वे ही उसकी अवनति से सबसे ज्यादा दुख भोगती हैं।" — स्पष्ट कीजिए। 30

खंड 'ख'
(विश्व इतिहास)

5. निम्नलिखित कथनों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए, प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में : 12×5=60

(क) "यूरोप के स्वेच्छाचारी शासक प्रबोध के दर्शन से प्रभावित हुए और वे अपनी प्रजा के प्रति एक हितकारी नीति का अनुसरण करने लगे।"

(ख) अमरीकी क्रांति मूलभूत रूप से अमरीकी पूंजीवाद और ब्रिटिश वणिकवाद के बीच एक आर्थिक द्वंद्व थी।

(ग) "दार्शनिकों के विचारों और फ्रांसीसी क्रांति (1789) के प्रादुर्भाव के बीच संयोजन कुछ सीमा तक दूरस्थ एवं अप्रत्यक्ष है।"

(d) "The process of industrialization in some other countries of Europe was different from that in England."

(e) "With the Cold War over and the Soviet Union gone, the face of international diplomacy has undergone a metamorphosis."

6. (a) "The impact of the French Revolution (1789) was initially confined to Europe, but, that of the Russian Revolution (1917) was global." — Critically review. 30

(b) "Any single explanation for the outbreak of the First World War is likely to be too simple. An amalgam of factors intellectual, social, economic as well as political and diplomatic contributed to this horrifying conflict of monumental proportions." — Explain. 30

7. (a) How did Napoleon fuse the France of the ancien regime with the France of the post-revolutionary era ? 30

(b) Was German unification achieved more by 'coal and iron' than by 'blood and iron' ? 30

(घ) यूरोप के कुछ अन्य देशों में औद्योगीकरण का प्रक्रम इंगलैंड में औद्योगीकरण के प्रक्रम से भिन्न था।

(ङ) शीत युद्ध के समाप्त हो जाने और सोवियत संघ के लुप्त हो जाने के साथ अंतर्राष्ट्रीय राजनय के चेहरे का कायांतरण हो गया है।

6. (क) "फ्रांसीसी क्रांति (1789) का प्रभाव प्रारंभ में यूरोप तक सीमित रहा, परंतु, रूसी क्रांति (1917) का प्रभाव वैश्विक था।" — समालोचनात्मक रूप से पुनरवलोकन कीजिए। 30

(ख) "प्रथम विश्व युद्ध के फूट पड़ने के लिए किसी भी एक स्पष्टीकरण के अति सरल होने की संभावना है। कारकों बौद्धिक, सामाजिक, आर्थिक और इसके साथ-साथ राजनीतिक और राजनयिक के सम्मिश्रण ने अतिविशाल आयामों के इस डरावने युद्ध में योगदान दिया था।" — स्पष्ट कीजिए। 30

7. (क) नेपोलियन ने प्राचीन शासन के फ्रांस का उत्तर-क्रांतिक काल के फ्रांस के साथ किस प्रकार से संयोजन किया था ? 30

(ख) क्या जर्मन एकीकरण 'रक्त और लोहा' के मुकाबले 'कोयला और लोहा' के द्वारा अधिक प्राप्त किया गया था ? 30

8. (a) "The announcement of the creation of the Peoples' Republic of China on October 1, 1949 by Mao Zedong ended the civil war between the Chinese Communist Party (CCP) and the Nationalist Party (KMT)." — Elaborate. 30

(b) "The Arab nationalism had a peculiar character. It stood for national independence for separate Arab States as well as for the unity of all Arabs irrespective of their state boundaries." — Examine. 30

8. (क) "अक्तूबर 1, 1949 को माओ-त्से तुंग द्वारा चीन के लोक गणतंत्र के सर्जन की घोषणा ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सी.सी.पी.) और राष्ट्रवादी पार्टी (के.एम.टी.) के बीच गृह युद्ध को समाप्त कर दिया।" सविस्तार स्पष्ट कीजिए। 30

(ख) "अरबी राष्ट्रवाद का एक निराला चरित्र था। वह पृथक अरब राज्यों की राष्ट्रीय स्वतंत्रता का और साथ ही साथ वह अपनी-अपनी राज्य सीमाओं का ध्यान किए बिना सभी अरबियों की एकता का पक्षधर था।" — परीक्षण कीजिए। 30

F-DTN-M-IJTB

इतिहास

प्रश्न-पत्र II

समय : तीन घण्टे | पूर्णांक : 300

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपा है।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तक के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं। बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम ***एक*** *प्रश्न चुनकर किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न के लिए नियत अंक प्रश्न के अंत में दिए गए हैं।

यह आवश्यक है कि जब भी किसी प्रश्न का उत्तर दे रहे हों, तब उस प्रश्न के सभी भागों/उप-भागों के उत्तर साथ-साथ दें। इसका अर्थ यह है कि अगले प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आगे बढ़ने से पूर्व पिछले प्रश्न के सभी भागों/उप-भागों के उत्तर समाप्त हो जांय। इस बात का कड़ाई से अनुसरण कीजिए।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े हुए पृष्ठों को स्याही में स्पष्ट रूप से काट दें। खाली छुटे हुए प्रश्नों के बाद लिखे हुए उत्तरों के अंक न दिए जाएँ, ऐसा हो सकता है।

***Note** : English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.*